

सतत विकास लक्ष्य एवं राज्य का विकास



SDGs and State Development

विनय कुमार , माननीय सदस्य के आप्त सचिव ,
बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण , E-503,
सरदार पटेल भवन, बैली रोड , पटना



सतत विकास लक्ष्य (SDGs)

सभी के लिए एक बेहतर और अधिक टिकाऊ भविष्य

संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित 17 सतत विकास लक्ष्य (Sustainable Development Goals) हमें गरीबी समाप्त करने, असमानता कम करने और पर्यावरण की रक्षा करने का मार्ग दिखाते हैं।



— छोटे कदम,
बड़ा बदलाव

1 गरीबी का अंत



सभी के लिए गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना

2 भूखमरी का अंत



सभी के लिए सुरक्षित और पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराना

3 अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण



सभी के लिए स्वस्थ जीवन और कल्याण सुनिश्चित करना

4 गुणवत्तापूर्ण शिक्षा



सभी के लिए समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना

5 लैंगिक समानता



सभी के लिए समानता और सशक्तिकरण

6 स्वच्छ जल और स्वच्छता



सभी के लिए सुरक्षित जल और स्वच्छता की उपलब्धता

7 सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा



सभी के लिए किफायती, विश्वसनीय और स्वच्छ ऊर्जा

8 सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास



सभी के लिए अच्छे रोजगार और समावेशी आर्थिक विकास

9 उद्योग, नवाचार और अवसंरचना



मजबूत अवसंरचना, टिकाऊ उद्योग और नवाचार को बढ़ावा

10 असमानता में कमी



देशों के भीतर और देशों के बीच असमानता कम करना

11 टिकाऊ शहर और समुदाय



सुरक्षित, समावेशी और टिकाऊ शहर बनाना

12 जिम्मेदार खपत और उत्पादन



संसाधनों का कुशल उपयोग और अपशिष्ट में कमी

13 जलवायु कार्रवाई



जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए तत्काल कदम

14 जल के अंदर जीवन



समुद्री और महासागरीय संसाधनों का संरक्षण

15 स्थल पर जीवन



वनों, जैव विविधता और स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा

16 शांति, न्याय और सशक्त संस्थान



शांतिपूर्ण और समावेशी समाज और सभी के लिए न्याय

17 लक्ष्यों के लिए साझेदारी



सतत विकास के लिए वैश्विक साझेदारी



सतत विकास लक्ष्य
एक बेहतर दुनिया के लिए
हम सबका साझा संकल्प

सतत विकास = समृद्ध समाज + स्वस्थ पर्यावरण + उज्ज्वल भविष्य



1. गरीबी उन्मूलन

बिहार में गरीबी कम करना और प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानजनक जीवन देना इस लक्ष्य का मुख्य उद्देश्य है।

- गरीब परिवारों की आय बढ़ाने के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और छोटे व्यवसाय को बढ़ावा देना।
- गरीब परिवारों को सामाजिक सुरक्षा और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना।
- भूमिहीन और कमजोर वर्गों को आजीविका के साधन उपलब्ध कराना।
- ग्रामीण एवं शहरी गरीबों के जीवन स्तर में सुधार करना।



2. भूखमरी का अंत

इसका उद्देश्य बिहार में हर व्यक्ति को पर्याप्त, पौष्टिक और सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराना है।

- कुपोषण और बच्चों में अल्पपोषण को कम करना।
- किसानों की कृषि उत्पादकता और आय बढ़ाना।
- खाद्यान्न की उपलब्धता और सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत करना।
- जैविक और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना।
- महिलाओं और बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देना।



3. अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण

इस लक्ष्य का उद्देश्य बिहार के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करना है।

- ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों की सुविधाओं में सुधार करना।
- मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना।
- बच्चों का टीकाकरण और स्वास्थ्य जांच बढ़ाना।
- गरीब और ग्रामीण लोगों तक सस्ती स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाना।
- स्वच्छता, पोषण और स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना।



4. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

बिहार में प्रत्येक बच्चे और युवा को समान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना इसका मुख्य उद्देश्य है।

- विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करना।
- स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या कम करना।
- लड़कियों और वंचित वर्गों की शिक्षा को बढ़ावा देना।
- डिजिटल शिक्षा और तकनीकी शिक्षा की पहुँच बढ़ाना।
- युवाओं को रोजगारपरक और कौशल आधारित शिक्षा देना।



5. लैंगिक समानता

इसका उद्देश्य बिहार में महिलाओं और पुरुषों को समान अवसर और अधिकार प्रदान करना है।

- लड़कियों की शिक्षा और उच्च शिक्षा को बढ़ावा देना।
- महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना।
- बाल विवाह को रोकना।
- महिलाओं के विरुद्ध हिंसा और भेदभाव को कम करना।
- महिलाओं की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक भागीदारी बढ़ाना।



6. स्वच्छ जल और स्वच्छता

बिहार के प्रत्येक व्यक्ति को सुरक्षित पेयजल और बेहतर स्वच्छता सुविधा उपलब्ध कराना इसका उद्देश्य है।

- सभी परिवारों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना।
- गाँवों में शौचालय और स्वच्छता सुविधाओं को मजबूत करना।
- नदियों, तालाबों और भूजल को प्रदूषण से बचाना।
- जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना।
- बाढ़ और जल प्रदूषण से प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षित जल व्यवस्था करना।



7. सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा

इसका उद्देश्य बिहार में सभी लोगों तक सस्ती, विश्वसनीय और स्वच्छ ऊर्जा पहुँचाना है।

- ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में बिजली की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित करना।
- सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना।
- किसानों के लिए सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई को प्रोत्साहित करना।
- घरों और संस्थानों में ऊर्जा की बचत को बढ़ावा देना।
- स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग से प्रदूषण कम करना।



8. अच्छा काम और आर्थिक विकास

बिहार में रोजगार, उद्यमिता और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना इस लक्ष्य का मुख्य उद्देश्य है।

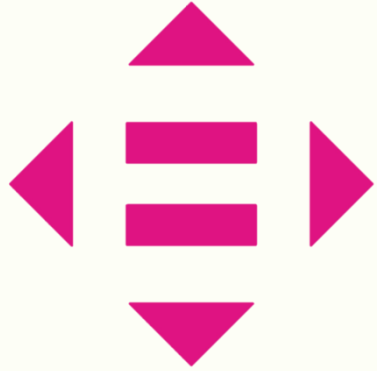
- युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करना।
- छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देना।
- कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण को मजबूत करना।
- प्रवासी श्रमिकों के लिए बेहतर रोजगार और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना।
- सुरक्षित और सम्मानजनक कार्य परिस्थितियाँ सुनिश्चित करना।



9. उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढाँचे

बिहार में मजबूत बुनियादी ढाँचा और आधुनिक उद्योग विकसित करना इसका उद्देश्य है।

- सड़कों, पुलों और परिवहन व्यवस्था को मजबूत करना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ाना।
- छोटे एवं स्थानीय उद्योगों को आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराना।
- कृषि आधारित उद्योगों और खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देना।
- नवाचार, अनुसंधान और नई तकनीक के उपयोग को प्रोत्साहित करना।



10. असमानता में कमी

इसका उद्देश्य बिहार में आर्थिक और सामाजिक असमानताओं को कम करना है।

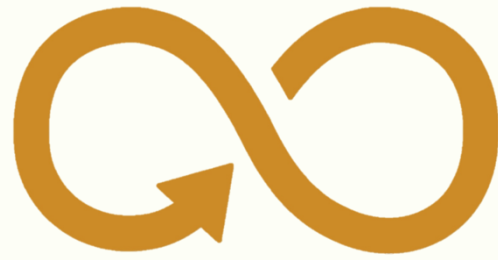
- गरीब और कमजोर वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना।
- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य वंचित समूहों के अवसर बढ़ाना।
- महिलाओं और दिव्यांग व्यक्तियों को समान अवसर देना।
- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच विकास का अंतर कम करना।
- सभी वर्गों तक सरकारी योजनाओं का समान लाभ पहुँचाना।



11. टिकाऊ शहर और समुदाय

बिहार के शहरों और गाँवों को सुरक्षित, समावेशी और टिकाऊ बनाना इसका उद्देश्य है।

- पटना सहित अन्य शहरों में बेहतर सार्वजनिक परिवहन विकसित करना।
- शहरों में कचरा प्रबंधन और स्वच्छता व्यवस्था मजबूत करना।
- बाढ़ और जलजमाव से निपटने के लिए बेहतर शहरी नियोजन करना।
- गरीबों के लिए सुरक्षित और किफायती आवास उपलब्ध कराना।
- हरित क्षेत्र, पार्क और पर्यावरण-अनुकूल शहरों को बढ़ावा देना।



12. जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन

इसका उद्देश्य संसाधनों का समझदारी से उपयोग करना और अपशिष्ट को कम करना है।

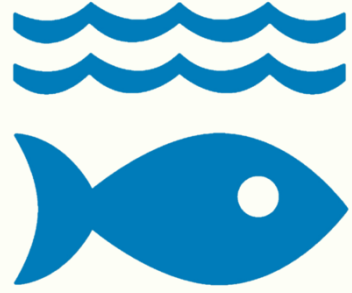
- पानी, बिजली और प्राकृतिक संसाधनों की बचत करना।
- प्लास्टिक और अन्य कचरे को कम करना।
- पुनर्चक्रण (त्मबलबसपदह) और पुनः उपयोग को बढ़ावा देना।
- कृषि में रासायनिक पदार्थों के संतुलित उपयोग को प्रोत्साहित करना।
- उद्योगों और व्यवसायों में पर्यावरण-अनुकूल उत्पादन को बढ़ावा देना।



13. जलवायु कार्रवाई

बिहार में बाढ़, सूखा, गर्मी और अन्य जलवायु संबंधी समस्याओं से निपटना इसका मुख्य उद्देश्य है।

- बाढ़ और सूखे से निपटने के लिए प्रभावी योजनाएँ बनाना।
- वृक्षारोपण और वन संरक्षण को बढ़ावा देना।
- कार्बन उत्सर्जन और वायु प्रदूषण को कम करना।
- किसानों को जलवायु-अनुकूल कृषि तकनीक उपलब्ध कराना।
- लोगों में जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाना।



14. जल के नीचे जीवन

बिहार समुद्र तट वाला राज्य नहीं है, लेकिन इसकी नदियों और जल निकायों का संरक्षण इस लक्ष्य से महत्वपूर्ण रूप से जुड़ा है।

- गंगा सहित बिहार की प्रमुख नदियों को प्रदूषण से बचाना।
- नदियों में अनुपचारित सीवेज और कचरा जाने से रोकना।
- तालाबों, झीलों और अन्य जल निकायों का संरक्षण करना।
- नदी की जैव विविधता और जलीय जीवों की रक्षा करना।
- लोगों को नदियों और जल संसाधनों की स्वच्छता के प्रति जागरूक करना।



15. भूमि पर जीवन

इसका उद्देश्य बिहार की भूमि, जंगलों, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना है।

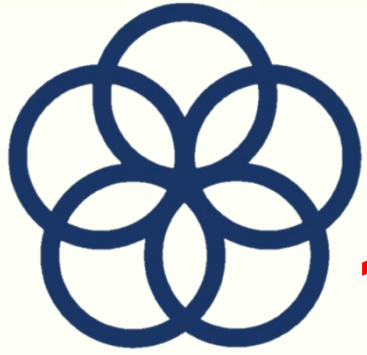
- वनों और हरित क्षेत्रों का संरक्षण एवं विस्तार करना।
- मिट्टी के कटाव और भूमि क्षरण को रोकना।
- वन्यजीवों और जैव विविधता की रक्षा करना।
- वृक्षारोपण और सामाजिक वानिकी को बढ़ावा देना।
- कृषि भूमि की उर्वरता और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना।



16. शांति, न्याय और मजबूत संस्थाएँ

बिहार में कानून का शासन, पारदर्शिता और प्रभावी प्रशासन को मजबूत करना इसका उद्देश्य है।

- कानून—व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा को मजबूत करना।
- सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना।
- भ्रष्टाचार को रोकने के प्रयासों को मजबूत करना।
- गरीब और कमजोर वर्गों को न्याय तक आसान पहुँच देना।
- पंचायतों और स्थानीय संस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाना।



17. लक्ष्यों के लिए साझेदारी

बिहार के सतत विकास के लिए सरकार, निजी क्षेत्र, समाज और जनता के बीच सहयोग बढ़ाना इसका उद्देश्य है।

- केंद्र और राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना।
- निजी क्षेत्र और उद्योगों को विकास कार्यों में भागीदार बनाना।
- पंचायतों और स्थानीय निकायों की भागीदारी बढ़ाना।
- शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण के क्षेत्र में संस्थाओं के साथ सहयोग करना।
- वित्त, तकनीक और ज्ञान के आदान-प्रदान से विकास को गति देना।

बिहार के विकास में SDGs के अनुसार प्रमुख कार्य

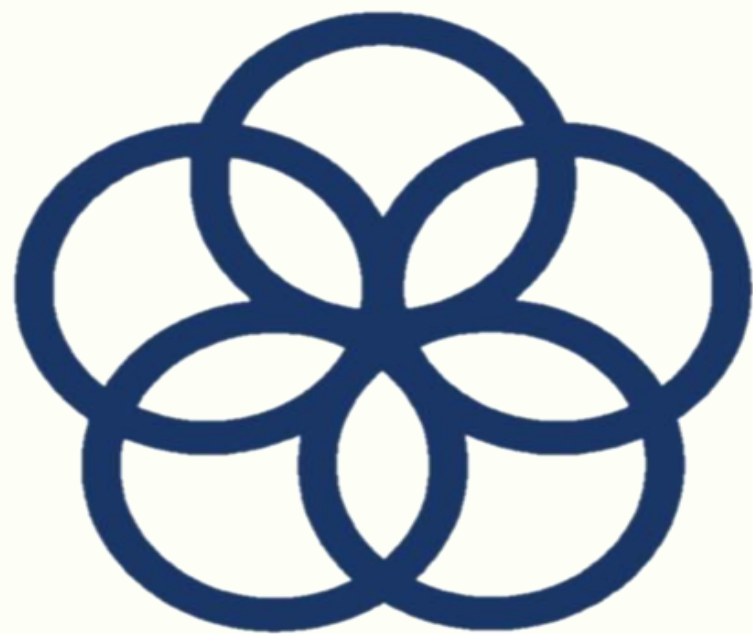
क्र०	लक्ष्य	प्रमुख कार्य / गतिविधियाँ
1	गरीबी उन्मूलन	JEEViKA, सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ, आवास एवं आजीविका कार्यक्रम
2	भूखमरी का अंत	खाद्य सुरक्षा, कृषि विकास, पोषण कार्यक्रम, आंगनवाड़ी सेवाएँ
3	अच्छा स्वास्थ्य	जिला अस्पतालों का विस्तार, CT/MRI, डायलिसिस एवं स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार
4	गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	स्कूल सुदृढीकरण, छात्रवृत्ति, बालिका शिक्षा, कौशल विकास
5	लैंगिक समानता	बालिका साइकिल/पोशाक जैसी योजनाएँ, महिला सशक्तीकरण एवं आजीविका कार्यक्रम
6	स्वच्छ जल एवं स्वच्छता	हर घर नल का जल, शौचालय निर्माण, नाली-गली एवं जल-संरक्षण कार्य

बिहार के विकास में SDGs के अनुसार प्रमुख कार्य

क्र०	लक्ष्य	प्रमुख कार्य / गतिविधियाँ
7	सस्ती एवं स्वच्छ ऊर्जा	नवीकरणीय ऊर्जा, सौर ऊर्जा और ई-वाहन को बढ़ावा
8	रोजगार एवं आर्थिक विकास	कौशल विकास, रोजगार, उद्यमिता, Startup एवं आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा
9	उद्योग एवं आधारभूत संरचना	सड़क, पुल, डिजिटल एवं औद्योगिक आधारभूत संरचना
10	असमानता में कमी	कमजोर वर्गों, SC/ST, EBC/OBC, अल्पसंख्यकों एवं दिव्यांगजनों के लिए कल्याणकारी योजनाएँ
11	टिकाऊ शहर एवं समुदाय	शहरी विकास, सीवरेज, कचरा प्रबंधन, स्मार्ट सिटी एवं टिकाऊ बुनियादी सुविधाएँ
12	जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन	कचरा प्रबंधन, जल एवं संसाधनों का संरक्षण
13	जलवायु कार्रवाई	जल-जीवन-हरियाली अभियान, जलवायु-सहिष्णु विकास, हरित बजट

बिहार के विकास में SDGs के अनुसार प्रमुख कार्य

क्र०	लक्ष्य	प्रमुख कार्य / गतिविधियाँ
14	जल के नीचे जीवन	गंगा सहित अन्य नदियों को प्रदूषण से बचाना , तालाबों , झीलों एवं अन्य जल निकायों का संरक्षण .
15	भूमि एवं जैव-विविधता	वनीकरण, हरित क्षेत्र, जैव-विविधता और भूमि संरक्षण
16	शांति एवं संस्थाएँ	सुशासन, डिजिटल सेवाएँ, पारदर्शिता एवं स्थानीय शासन
17	लक्ष्यों के लिए साझेदारी	केंद्र-राज्य, विभागों, पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय निकायों के बीच समन्वय



THANK YOU